7. मेरी किताब

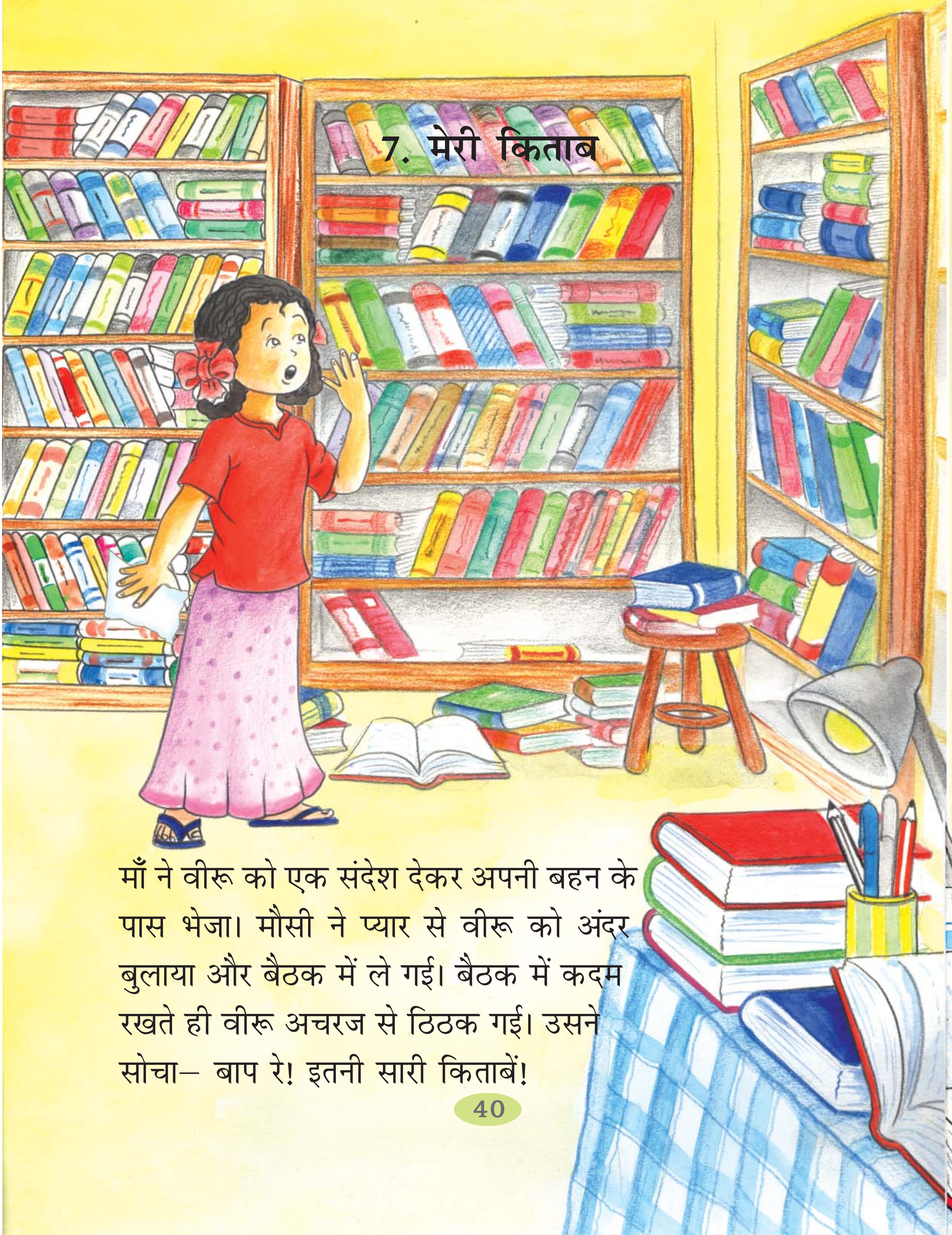

माँ ने वीरू को एक संदेश देकर अपनी बहन के पास भेजा। मौसी ने प्यार से वीरू को अंदर बुलाया और बैठक में ले गई। बैठक में कदम रखते ही वीरू अचरज से ठिठक गई। उसने सोचा– बाप रे! इतनी सारी किताबें!

वहाँ नीचे से ऊपर तक किताबों से भरे खानों वाली दो लंबी दीवारें थीं।

वह आँखें फाड़े देखती रही।

अंत में उसने साहस करके पूछा– क्या आपके पास बच्चों के लिए भी किताबें हैं?

मौसी ने कहा– हाँ, यह देखो, यह वाला खाना और यह वाला।

वीरू ने हैरानी से कहा– इतनी ढेर सारी किताबें! मेरे पास तो इतनी किताबें नहीं हैं।

मौसी ने कहा– यदि तुम चाहो तो मैं पढ़ने के लिए तुम्हें कुछ किताबें दे सकती हूँ। तुम्हें किस तरह की किताबें सबसे अधिक पसंद हैं?

वीरू ने धीरे से कहा– मुझे मालूम नहीं।

मौसी ने एक किताब निकाल कर वीरू को पकड़ाई और कहा– तुम यह किताब पढ़कर देखो।

वीरू घबराकर पीछे हटी और बोली– बाप रे! यह तो बहुत मोटी है।

मौसी ने सुझाव दिया– अच्छा, तो फिर शायद यह वाली ठीक रहेगी।

वीरू बोली– यह बहुत बड़ी है, मेरे बस्ते में नहीं आएगी।

मौसी ने एक तीसरी किताब दिखाई– और इसके बारे में क्या खयाल है?

वीरू ने किताब के पन्ने पलटे और यह फ़ैसला किया– इसमें पढ़ने के लिए बहुत कम है, इतनी छोटी-छोटी तस्वीरें! और यह किताब बहुत पतली है। सहेली ने कहा– वीरू, मुझे तो लगता है कि मैं तुम्हारे लिए किताब नहीं चुन सकती। ऐसा करना, अगली बार जब तुम आओ तो अपने साथ एक फ़ुट्टा लेती आना।

वीरू ने पूछा– फ़ुट्टा, क्यों?

मौसी ने हँसकर कहा– तुम्हें जितनी मोटी किताब चाहिए तुम नापकर ले लेना। ठीक है न!

वीरू ने माँ के भेजे हुए कागज़ को मेज़ पर रखा और भाग खड़ी हुई।

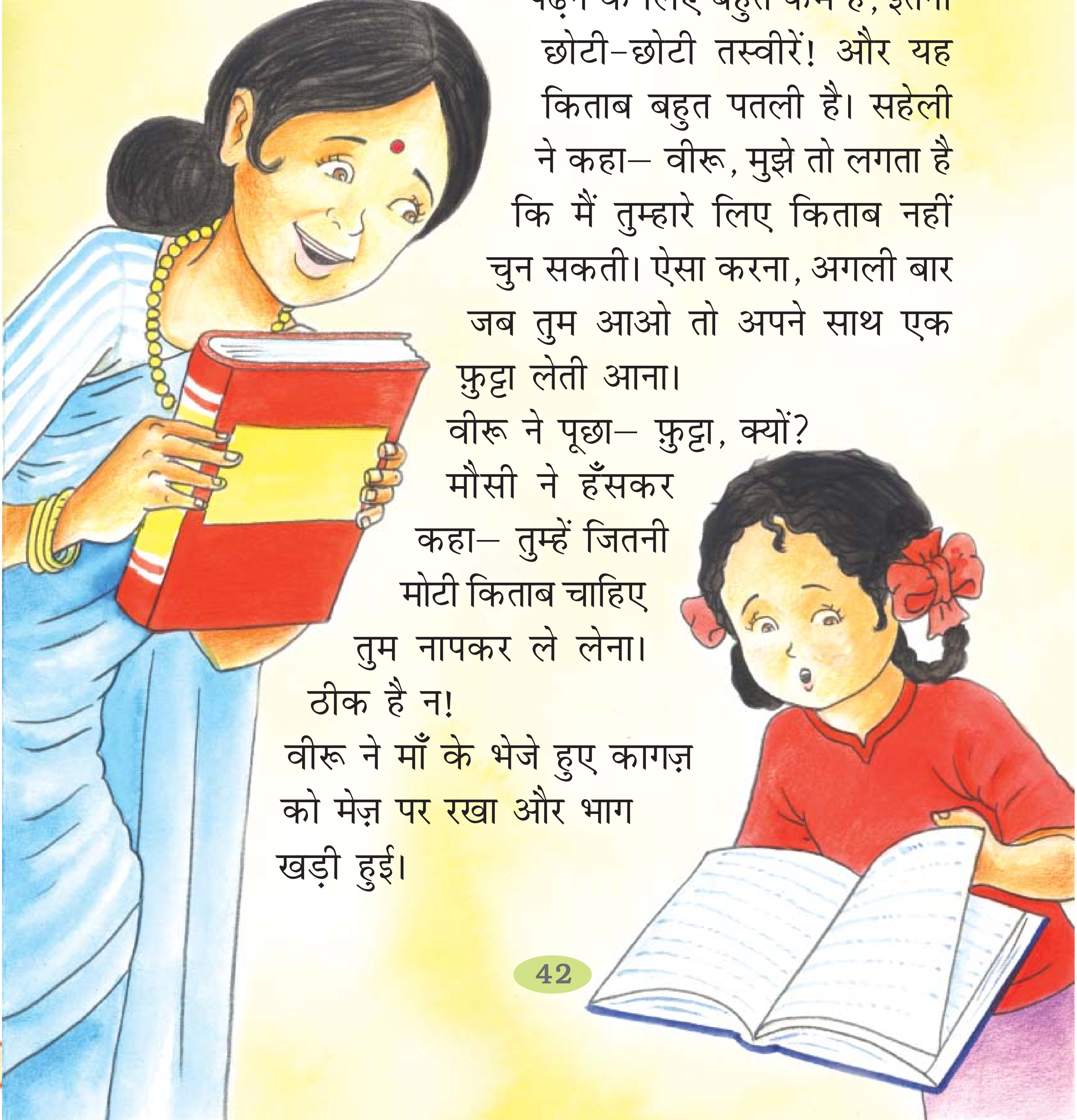

बातें किताबों की

बाप रे! इतनी किताबें!

- क्या तुमने भी बहुत सारी किताबें एक साथ देखी हैं? कहाँ?
- तुम्हारे बस्ते में भी बहुत सारी किताबें होंगी। उन सभी किताबों में से तुम्हारी मनपसंद किताब कौन-सी है? क्यों?
- यहाँ कुछ किताबों के पन्नों के चित्र दिए हैं और उनके नाम लिखे हैं।

तुम इनमें से कौन-सी किताब पढ़ना चाहोगे? क्यों?

....

....

नाप-तौल

(क) मौसी ने वीरू को फ़ुट्टा लाने के लिए क्यों कहा?

(ख) अलग-अलग चीज़ों को नापने या तौलने के लिए अलग-अलग चीज़ों का इस्तेमाल करते हैं। तुम नीचे दी गई चीज़ों को किन चीज़ों से मापोगे?

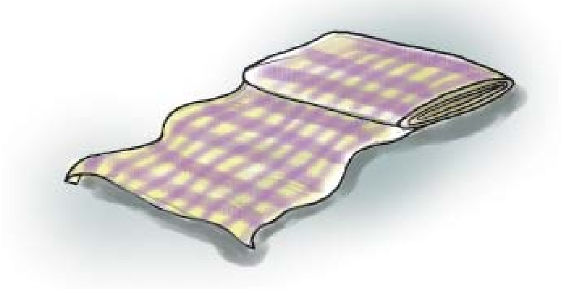

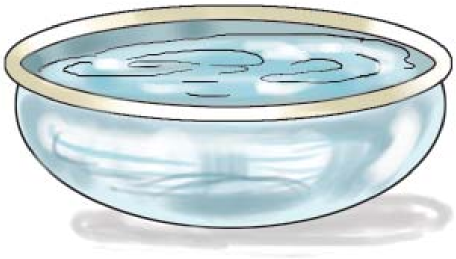

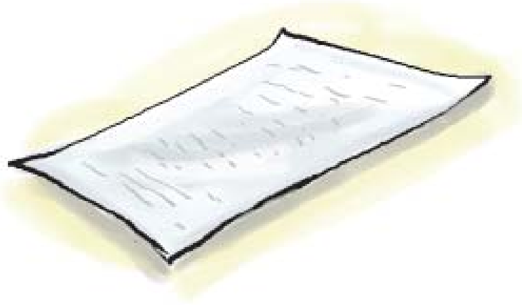

- कपड़े को ....
- आम को ....
- मेज़ को ....
- कागज़ को ....
- पानी को ....

आओ खेलें अंत्याक्षरी

अब तक तो तुमने बहुत सारे शब्द सीख लिए होंगे। आओ शब्दों की अंत्याक्षरी खेलें। देखें तुम कितने शब्द बना पाते हो। शुरुआत हम कर देते हैं–

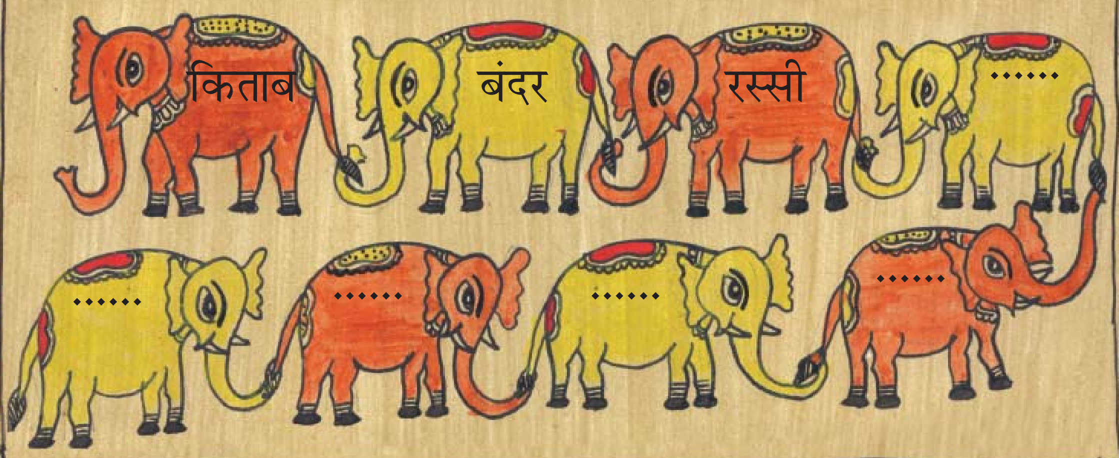

पसंद–नापसंद

वीरू को माँ की सहेली ने किताबें चुनने के लिए कहा तो वह नहीं चुन पाई।

तुम्हें अपनी पसंद की चीज़ें चुनने को कहा जाए तो तुम क्या–क्या चीज़ें चुनोगे?

....

....